बजट का सार

BUDGET AT A GLANCE

2018-2019

बजट के सार में बजट अनुमानों को स्थूल समूहों में बांट कर परिलक्षित किया जाता है ताकि बजट को आसानी से समझा जा सके। यह दस्तावेज भारत सरकार की प्राप्तियों एवं व्यय के साथ-साथ राजकोषीय घाटे, राजस्व घाटे, प्रभावी राजस्व घाटे एवं प्राथमिक घाटे को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, इस दस्तावेज में उपयुक्त चार्टों और ग्राफों के माध्यम से प्राप्तियों के स्रोतों, उनके अनुप्रयोगों, ऋण के ब्यौरों तथा घाटे के संसूचकों, घाटा वित्त पोषण के स्रोतों तथा बजट को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण संघटकों का चित्रात्मक ब्यौरा प्रस्तुत किया जाता है।

2. ***राजकोषीय घाटा*** राजस्व प्राप्तियों जमा ऋण-भिन्न पूंजी प्राप्तियों तथा कुल व्यय के बीच का अंतर है। यह सभी स्रोतों से सरकार की कुल उधार संबंधी आवश्यकताओं को दर्शाता है। ***राजस्व घाटे*** का अर्थ राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय अधिक होना है। ***प्रभावी राजस्व घाटा*** राजस्व घाटे तथा पूंजीगत आस्तियों के सृजन के लिए अनुदानों के बीच का अन्तर है। ***प्राथमिक घाटे*** को ब्याज अदायगियां घटाकर राजकोषीय घाटे द्वारा मापा जाता है।

3. बजट 2018-19 एक ओर कृषि, सामाजिक क्षेत्र, डिजिटल भुगतान, अवसंरचना और रोजगार सृजन में निवेश को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता और दूसरी ओर साथ ही साथ राजकोषीय घाटे को 2017-18 के संशोधित अनुमान की तुलना में सघउ का 0.2% कम करके राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के मार्ग पर डटे रहने को दर्शाता है। इसमें राजकोषीय घाटे को सघउ के 3.3% पर रखते हुए संशोधित अनुमान (2017-18) की तुलना में व्यय में ₹2,24,463 करोड़ की वृद्धि की पुष्टि की गई है।

4. सं.अ. 2017-18 में ₹22,17,750 करोड़ का कुल व्यय ब.अ. 2017-18 से ₹71,015 करोड़ अधिक है। कुल व्यय में वृद्धि मुख्य रूप से राज्यों को जीएसटी प्रतिपूर्ति के लिए किए गए खर्च, कुछ महत्वपूर्ण स्कीमों पर बढ़े हुए परिव्ययों तथा 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को क्रियान्वित करते हुए भत्तों तथा पेंशन राशि के

Budget at a Glance presents broad aggregates of the Budget in a reader-friendly document. This document shows receipts and expenditure as well as the Fiscal Deficit (FD), Revenue Deficit (RD), Effective Revenue Deficit (ERD), and the Primary Deficit (PD). of the Government of India. Besides, it presents a pictorial account of sources of receipts, their application, the details of debt and deficit indicators, sources of deficit financing and trends and composition of important budgetary variables through charts and graphs.

2. **Fiscal Deficit** is the difference between the Revenue Receipts plus Non-debt Capital Receipts (NDCR) and the total expenditure. FD is reflective of the total borrowing requirements of Government. **Revenue Deficit** refers to the excess of revenue expenditure over revenue receipts. **Effective Revenue Deficit** is the difference between Revenue Deficit and Grants for Creation of Capital Assets. **Primary Deficit** is measured as Fiscal Deficit less interest payments.

3. Budget 2018-19 reflects the Government's firm commitment to substantially boost investment in Agriculture, Social Sector, Digital Payments, Infrastructure and Employment Generation on the one hand and simultaneously stick to the path of fiscal rectitude by aiming for a reduction of FD by 0.2% of GDP over RE 2017-18. This is substantiated by increase in expenditure of ₹ 2,24,463 crores over RE (2017-18) while simultaneously keeping the fiscal deficit at 3.3% of GDP.

4. In RE 2017-18, the total expenditure has been kept at ₹ 22,17,750 crore and is more than BE 2017-18 by ₹ 71,015 crore. The increase in total expenditure is mainly due to the outgo on account of GST Compensation to States, increased outlays on some

भुगतान के लिए धनराशि की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के कारण है।

5. वर्ष 2015-16 से, 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों को लागू किए जाने से करों में राज्यों के हिस्से के अंतरण में भारी उछाल देखी गई। इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए, राज्यों को जाने वाले कुल संसाधन, जिनमें करों में राज्य के हिस्से का अंतरण, अनुदान/ऋण और केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के तहत जारी निधियां शामिल हैं, वे ब.अ. (2018-19) में ₹12,69,435 करोड़ है, जिसमें सं.अ. (2017-18) की तुलना में ₹1,53,558 करोड़ का उछाल है और जो वास्तविक (2016-17) से ₹2,83,760 करोड़ अधिक है।

important schemes and also to meet the recommendation of 7th CPC with respect to allowances and pensions.

5. The devolution of States' share in taxes witnessed a major jump after the implementation of XIV Finance Commission from 2015-2016 onwards. Continuing with this trend, the total resources going to States including the devolution of State's share in taxes, Grants/Loans, and releases under Centrally Sponsored Schemes in BE (2018-19) is ₹12,69,435 crore, with a jump of ₹1,53,558 crore over RE (2017-18) and ₹ 2,83,760 crore more than the Actuals (2016-17).

बजट का सार Budget at a Glance

(₹ करोड़) (In ₹ crore)

		2016-2017 वास्तविक Actuals	2017-2018 बजट अनुमान Budget Estimates	2017-2018 संशोधित अनुमान Revised Estimates	2018-2019 बजट अनुमान Budget Estimates
1. राजस्व प्राप्तियां	**1. Revenue Receipts**	**1374203**	**1515771**	**1505428**	**1725738**
2. कर राजस्व (केन्द्र को निवल)	*2. Tax Revenue (Net to Centre)*	*1101372*	*1227014*	*1269454*	*1480649*
3. कर-भिन्न राजस्व	*3. Non-Tax Revenue*	*272831*	*288757*	*235974*	*245089*
4. पूंजी प्राप्तियां[1]	***4. Capital Receipts[1]***	***600991***	***630964***	***712322***	***716475***
5. ऋणों की वसूली	*5. Recovery of Loans*	*17630*	*11933*	*17473*	*12199*
6. अन्य प्राप्तियां	*6. Other Receipts*	*47743*	*72500*	*100000*	*80000*
7. उधार और अन्य देयताएं[2]	*7. Borrowings and Other Liabilitites[2]*	*535618*	*546531*	*594849*	*624276*
8. कुल प्राप्तियां (1+4)	**8. Total Receipts (1+4)**	**1975194**	**2146735**	**2217750**	**2442213**
9. कुल व्यय (10+13)	**9. Total Expenditure (10+13)**	**1975194**	**2146735**	**2217750**	**2442213**
10. राजस्व खाते पर जिसमें से	10. On Revenue Account of which	1690584	1836934	1944305	2141772
11. ब्याज भुगतान	*11. Interest Payments*	*480714*	*523078*	*530843*	*575795*
12. पूंजी परिसंपत्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान	*12. Grants in Aid for creation of capital assets*	*165733*	*195350*	*189245*	*195345*
13. पूंजी खाते पर	13. On Capital Account	284610	309801	273445	300441
14. राजस्व घाटा (10-1)	**14. Revenue Deficit (10-1)**	**316381 (2.1)**	**321163 (1.9)**	**438877 (2.6)**	**416034 (2.2)**
15. प्रभावी राजस्व घाटा (14-12)	**15. Effective Revenue Deficit (14-12)**	**150648 (1.0)**	**125813 (0.7)**	**249632 (1.5)**	**220689 (1.2)**
16. राजकोषीय घाटा [9-(1+5+6)]	**16. Fiscal Deficit [9-(1+5+6)]**	**535618 (3.5)**	**546531 (3.2)**	**594849 (3.5)**	**624276 (3.3)**
17. प्राथमिक घाटा (16-11)	**17. Primary Deficit (16-11)**	**54904 (0.4)**	**23453 (0.1)**	**64006 (0.4)**	**48481 (0.3)**

[1] बाजार स्थिरिकरण योजना के अंतर्गत प्राप्तियों को छोड़कर।

[2] इसमें नकदी शेष में आहरण द्वारा कमी शामिल है।

टिप्पणी :

(i) 2017-2018 के संशोधित अनुमान में ₹ 16784679 करोड़ के अनुमानित सघउ की तुलना में 11.5 की वृद्धि दर मानते हुए 2018-2019 के बजट अनुमान में सघउ बढ़कर ₹ 18722302 करोड़ होने का पूर्वानुमान है।

(ii) इस दस्तावेज में पृथक-पृथक मदें पूर्णांकन के कारण संभवतः जोड़ से मेल न खाएं।

(iii) कोष्ठक में दिए गए आंकड़े सघउ के प्रतिशत के रूप में हैं।

[1] Excluding receipts under Market Stabilisation Scheme

[2] Includes drawdown of Cash Balance

Notes:

(i) GDP for BE 2018-2019 has been projected at ₹ 18722302 crore assuming 11.5% growth over the estimated GDP of ₹ 16784679 crore for 2017-18 (RE).

(ii) Individual items in this document may not sum up to the totals due to rounding off

(iii) Figures in parenthesis are as a percentage of GDP

रुपया कहां से आता है Rupee Comes From

(बजट Budget 2018-2019)

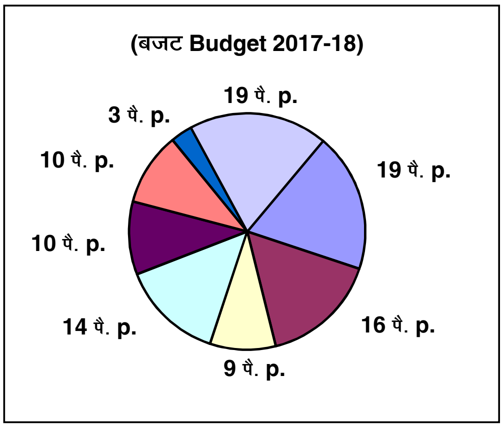

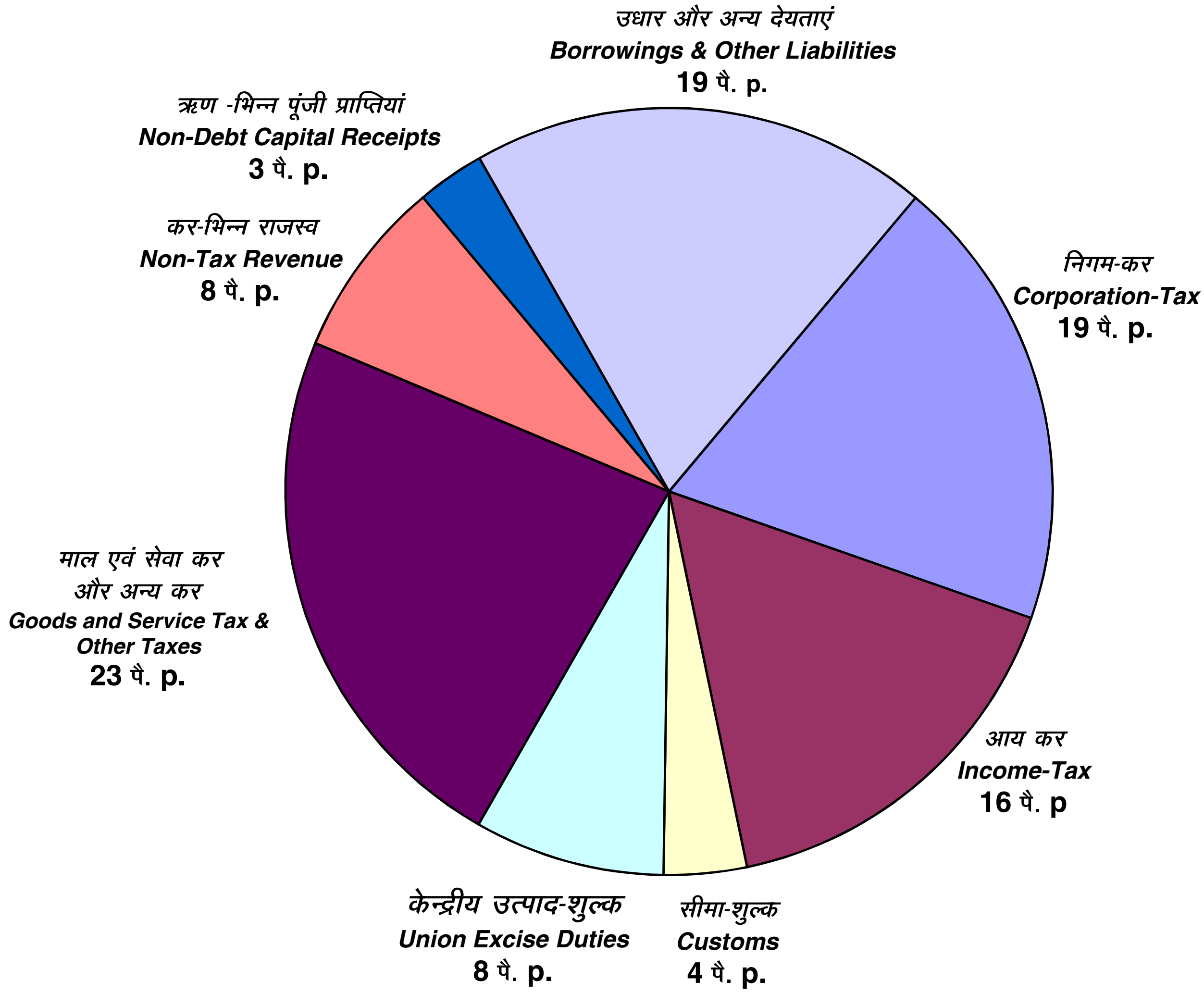

टिप्पणियां:-1. *कुल प्राप्तियों में करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा शामिल है, जिन्हें पृष्ठ 1 पर सारणी में घटा दिया गया है।*

2. ■ *बजट अनुमान 2017-18 में सेवा कर और अन्य कर को दर्शाता है।*

Notes:-*1.* ***Total receipts are inclusive of States' share of taxes and duties which have been netted in the table on page1.***

2. ■ ***represents Service tax and other taxes in BE 2017-18.***

रुपया कहां जाता है Rupee Goes To
(बजट Budget 2018-2019)

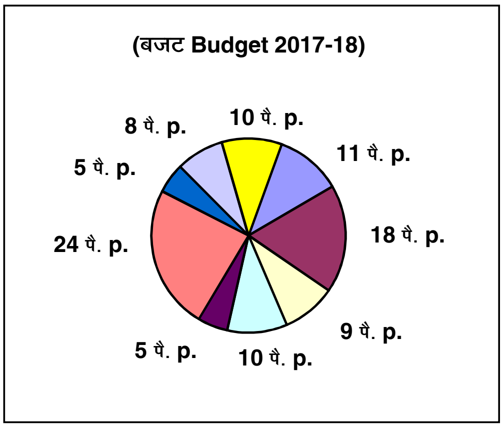

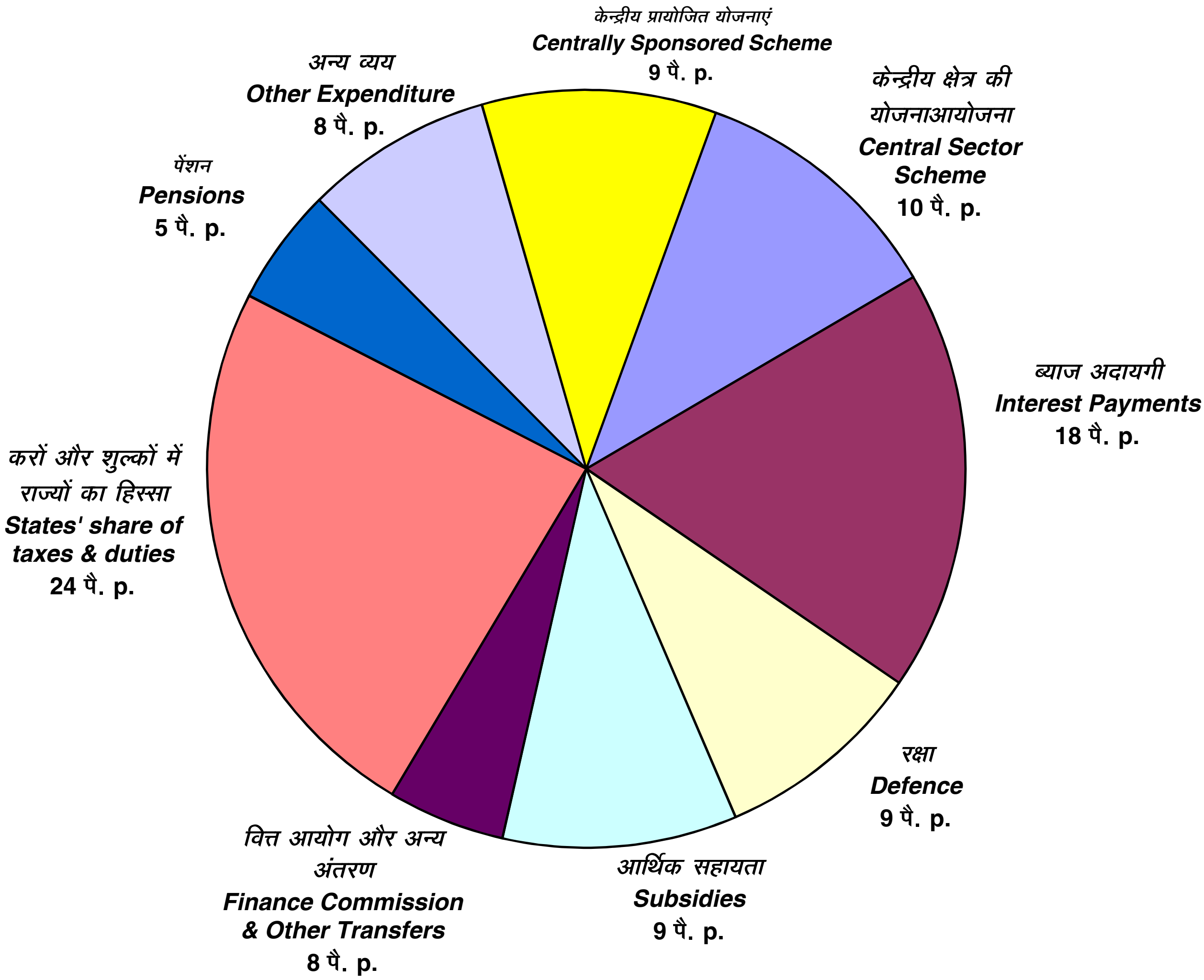

टिप्पणी :-कुल व्यय में करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा शामिल है, जिन्हें पृष्ठ 1 पर सारणी में प्राप्तियों में से घटा दिया गया है।

Note:- Total expenditure is inclusive of the States' share of taxes and duties which have been netted against receipts in the table on page 1.